



Arpit paswan

07 Feb 2019

01:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121336703

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 6-07/02/2019
दिन _____: बुध-गुरुवार
जन्म समय _____: 01:15:00 घंटे
इष्ट _____: 45:20:28 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:53:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:00:29 घंटे
सूर्योदय _____: 07:06:48 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:03:54 घंटे
दिनमान _____: 10:57:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 23:36:23 मकर
लग्न के अंश _____: 28:00:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: शतभिषा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: परिघ
करण _____: कौलव
गण _____: राक्षस
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

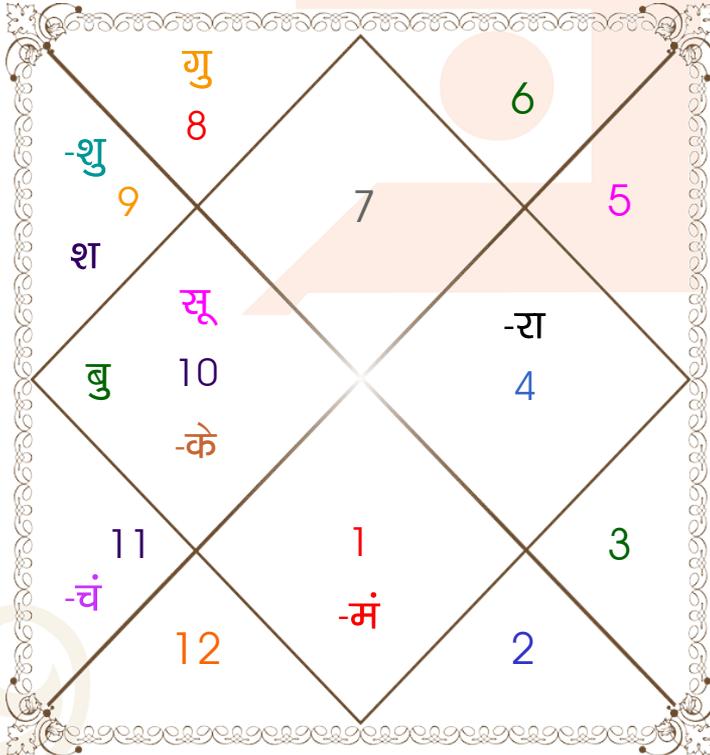
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:00:13	306:52:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	23:36:23	01:00:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	14:36:51	11:50:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मेष	00:43:06	00:40:38	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध	अ		मक	29:19:57	01:47:39	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	24:37:40	00:09:47	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			धनु	09:10:50	01:08:49	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			धनु	21:27:59	00:06:22	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		कर्क	02:34:54	00:03:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:34:54	00:03:32	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:53:34	00:01:34	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
नेप			कुंभ	21:00:10	00:02:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	27:41:36	00:01:52	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	03:49:21	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

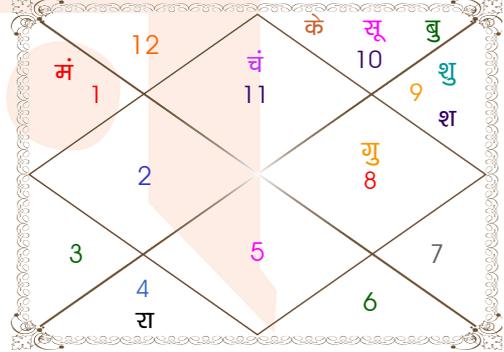
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:12

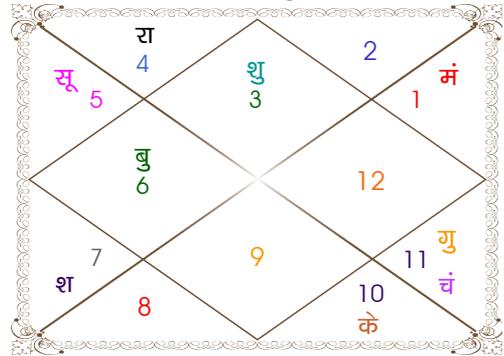
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 3 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
07/02/2019	16/05/2026	16/05/2042	16/05/2061	16/05/2078
16/05/2026	16/05/2042	16/05/2061	16/05/2078	16/05/2085
00/00/0000	गुरु 03/07/2028	शनि 19/05/2045	बुध 13/10/2063	केतु 12/10/2078
00/00/0000	शनि 15/01/2031	बुध 27/01/2048	केतु 09/10/2064	शुक्र 13/12/2079
00/00/0000	बुध 22/04/2033	केतु 07/03/2049	शुक्र 10/08/2067	सूर्य 18/04/2080
07/02/2019	केतु 29/03/2034	शुक्र 07/05/2052	सूर्य 15/06/2068	चंद्र 17/11/2080
केतु 03/12/2019	शुक्र 27/11/2036	सूर्य 19/04/2053	चंद्र 15/11/2069	मंगल 16/04/2081
शुक्र 03/12/2022	सूर्य 15/09/2037	चंद्र 18/11/2054	मंगल 12/11/2070	राहु 04/05/2082
सूर्य 28/10/2023	चंद्र 15/01/2039	मंगल 28/12/2055	राहु 31/05/2073	गुरु 10/04/2083
चंद्र 28/04/2025	मंगल 22/12/2039	राहु 03/11/2058	गुरु 06/09/2075	शनि 19/05/2084
मंगल 16/05/2026	राहु 16/05/2042	गुरु 16/05/2061	शनि 16/05/2078	बुध 16/05/2085

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
16/05/2085	17/05/2105	18/05/2111	17/05/2121	17/05/2128
17/05/2105	18/05/2111	17/05/2121	17/05/2128	00/00/0000
शुक्र 15/09/2088	सूर्य 04/09/2105	चंद्र 17/03/2112	मंगल 13/10/2121	राहु 28/01/2131
सूर्य 15/09/2089	चंद्र 05/03/2106	मंगल 16/10/2112	राहु 01/11/2122	गुरु 23/06/2133
चंद्र 17/05/2091	मंगल 11/07/2106	राहु 17/04/2114	गुरु 08/10/2123	शनि 28/04/2136
मंगल 16/07/2092	राहु 05/06/2107	गुरु 17/08/2115	शनि 15/11/2124	बुध 16/11/2138
राहु 16/07/2095	गुरु 23/03/2108	शनि 17/03/2117	बुध 13/11/2125	केतु 08/02/2139
गुरु 16/03/2098	शनि 05/03/2109	बुध 17/08/2118	केतु 11/04/2126	00/00/0000
शनि 17/05/2101	बुध 09/01/2110	केतु 18/03/2119	शुक्र 11/06/2127	00/00/0000
बुध 17/03/2104	केतु 17/05/2110	शुक्र 15/11/2120	सूर्य 17/10/2127	00/00/0000
केतु 17/05/2105	शुक्र 18/05/2111	सूर्य 17/05/2121	चंद्र 17/05/2128	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यो के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृत्ति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यो की अपेक्षा आप स्वयं जानते हैं। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृत्ति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ट अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते हैं तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखें विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृत्ति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायबिटीज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

